② कांतली नदी :→

- → उद्गम → खण्डेला पहाड़ी (सीकर)
- → विलुप्त → मंड्रेला (झुंझुनू)

→ कुल लम्बाई - 100 km (पूर्णतया राज्य मे बहने वाली आन्तरिक प्रवाह की लम्बी नदी)

→ यह नदी सीकर व झुंझुनू दो जिलो मे बहती है।

→ इस नदी के बहाव को सीकर मे तोरावाटी कहते है।

→ सीकर → गणेश्वर सभ्यता स्थल (नीमका थाना)

झुंझुनू → सोनारी सभ्यता स्थल

③ काकनी | काकनेय | मसूरदी नदी :→

<u>उद्गम</u> → कोटड़ी गाँव (जैसलमेर)

<u>विलुप्त</u> → मीठा की खाड़ी (जैसलमेर)

<u>कुल लं.</u> → 17 Km.

आन्तरिक प्रवाह की सबसे छोटी नदी।

→ यह नदी जैसलमेर मे बुझ झील का निर्माण करती है।

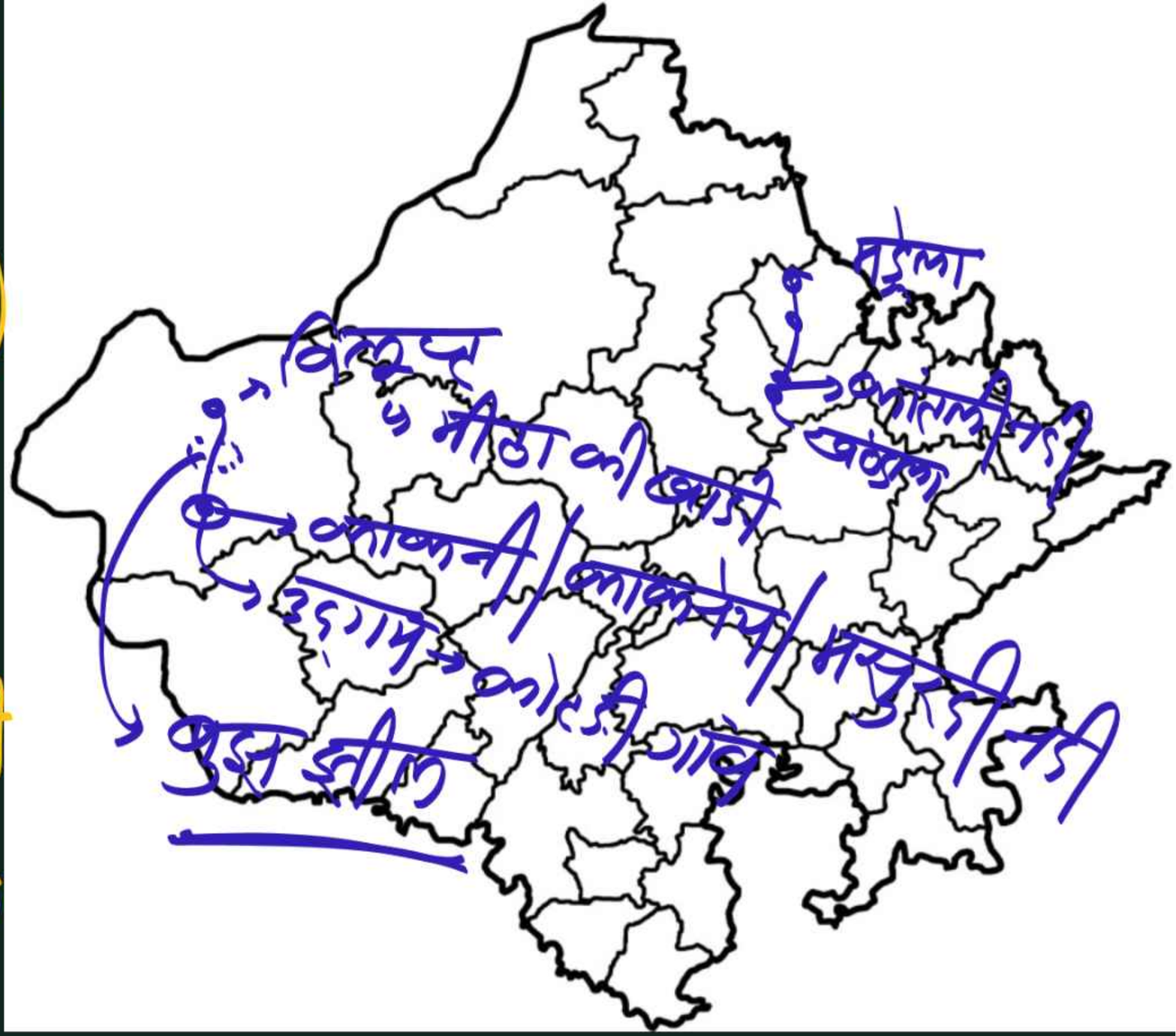

④ **मेंथा | मेढा नदी** :→ बैराठ पहाड़ी (जयपुर, कोटपूतली बहरोड़)

↳ जयपुर - डीडवाना कुचामन मे बहते हुए सांभर झील मे गिरती है।

→ डीडवाना कुचामन मे इस नदी के पास लूणवा जैन तीर्थ स्थित है।

⑤ **रूपनगढ़ नदी** :→

उद्गम → कुचील (अजमेर)

→ सांभर झील मे गिरती है।

→ निम्बार्क सम्प्रदाय की प्रधान पीठ इसी नदी के किनारे स्थित है।

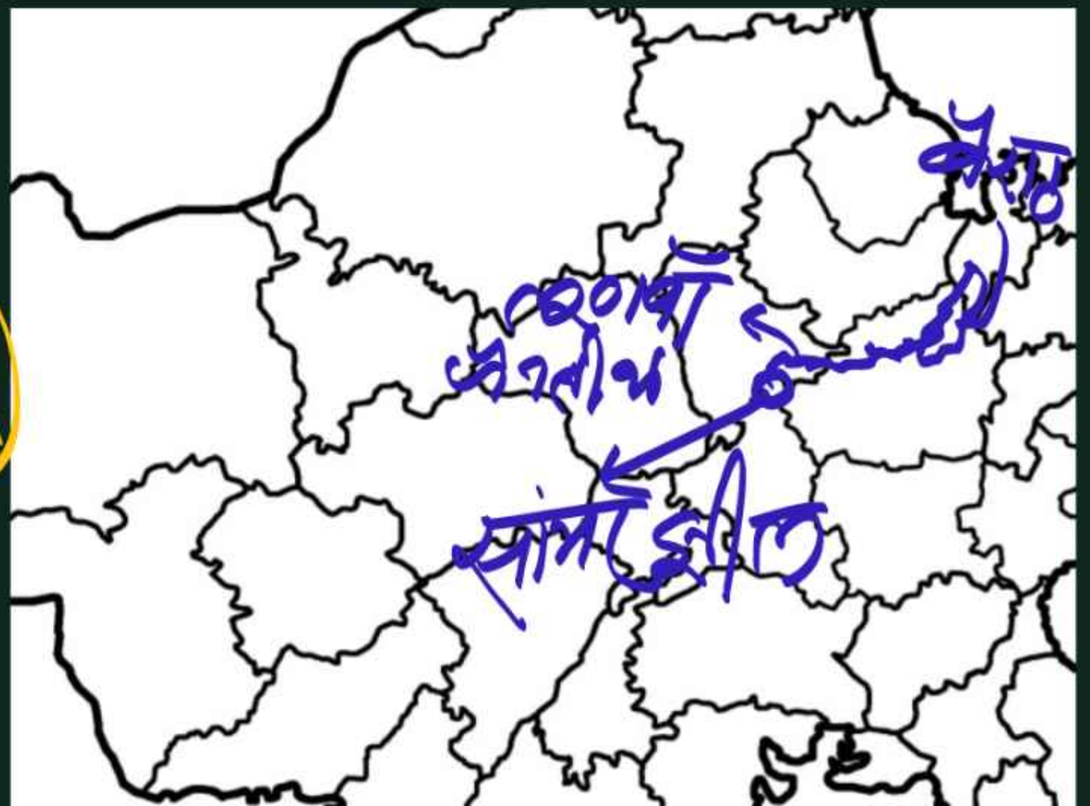

(6) रूपारेल नदी :→

↳ उपनाम → वराह नदी, लसवारी नदी

→ उद्गम - उदयनाथ पहाड़ी, थानागाजी (अलवर)

→ विलुप्त → कुसंगपुर (भरतपुर)

→ बहाव → अलवर, भरतपुर

→ भरतपुर → नोह सभ्यता
सीकरी बाँध
मोती झील → भरतपुर की जीवन रेखा
↳ इसमें नील हरित शैवाल है जिससे से N_2 युक्त खाद प्राप्त होती है।

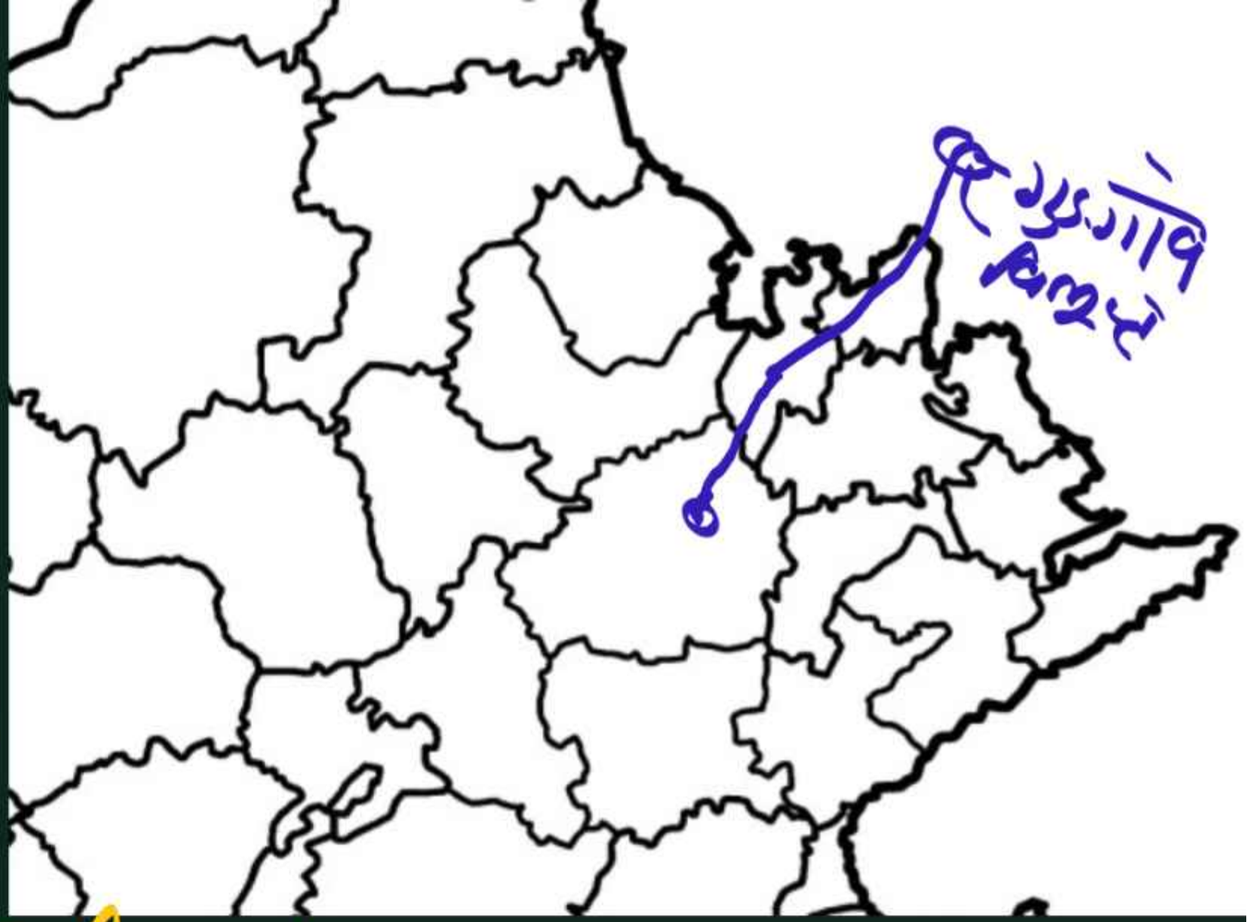

① साबी नदी :→

↳ उद्गम - सेवर (जयपुर)

विलुप्त → गुड़गाँव के पाटोदी गाँव की नजफगढ़ झील मे

→ बहाव → जयपुर, कोटपूतली बहरोड़, खैरथल तिजारा

→ जोधपुरा सभ्यता स्थल - कोटपूतली बहरोड़

④ खारी नदी :→ उद्गम - खण्डेला (जयपुर)

↳ विलुप्त - सांभर (झील मे)

नोट - भारत का सबसे बड़ा अन्तप्रवाह क्षेत्र राजस्थान मे है।

2. अरब सागरीय प्रवाह क्रम :→

① लूणी नदी :→

उपनाम → लवणी, लवणवती, सरस्वती, सागरी, सागरमती, आधी खारी आधी मीठी नदी, पश्चिमी मरुस्थल की गंगा, मारवाड़ की गंगा

→ उद्गम → नागपहाड़ी आनासागर झील (अजमेर)

यह नदी नागपहाड़ी से सरस्वती व सागरी दो धाराओं के रूप मे निकलती है व गोविन्दगढ़ के पास दोनो धाराऐ मिल जाती है

→ विलुप्त → कच्छ की खाड़ी के माध्यम से अरब सागर मे।

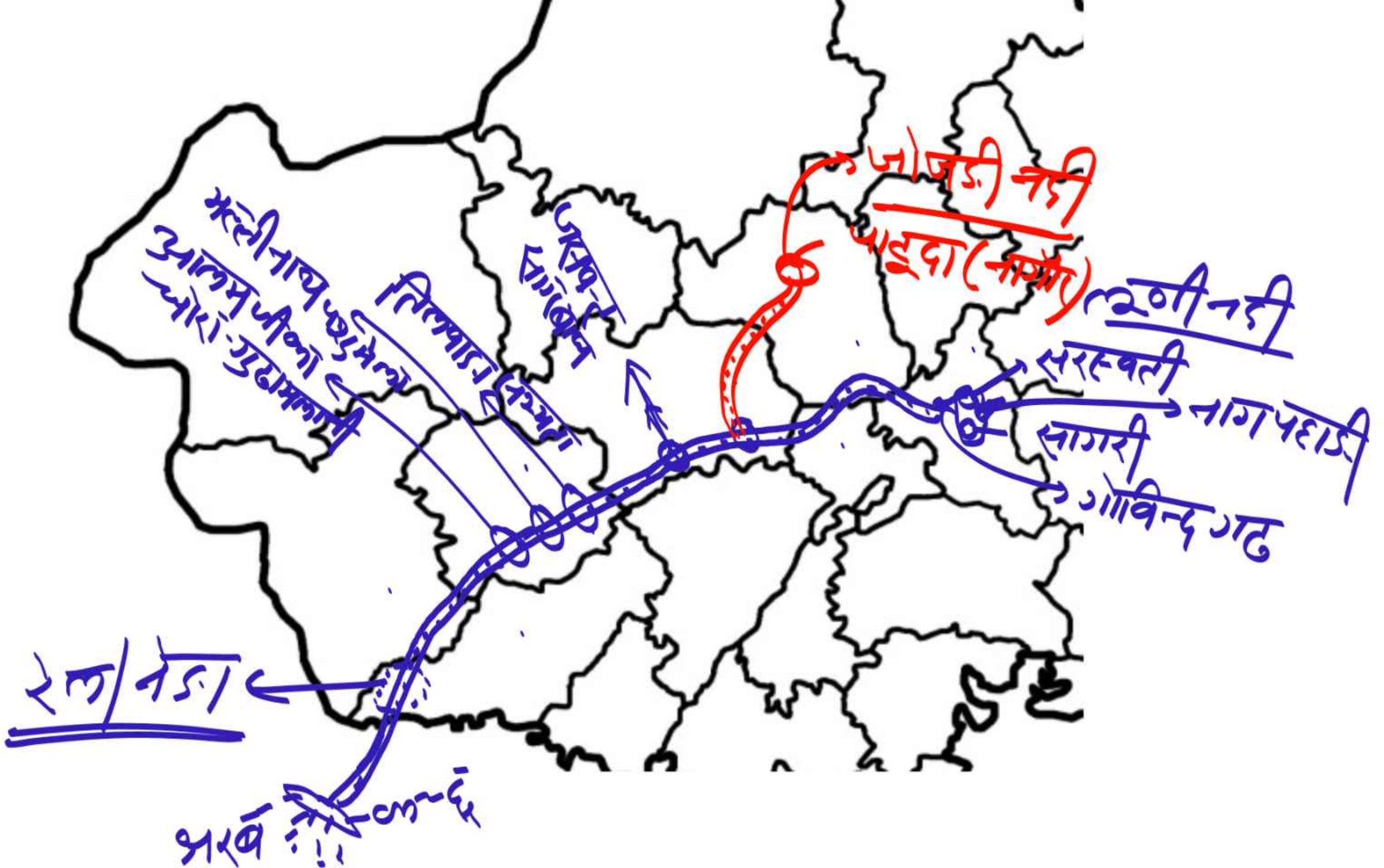

जोजड़ी नदी
लूणी नदी
सरस्वती
नागपहाड़ी
गोविन्दगढ़

→ लूणी नदी की कुल लम्बाई - 495 km.
→ राजस्थान मे लम्बाई - 330 km.

→ बहाव → अजमेर, नागौर, ब्यावर, जोधपुर, बालोतरा, बाड़मेर, जालौर
कुल 7 जिलो मे।

→ विशेष → जोधपुर → जसवंत सागर बांध / पिचियाक बांध
बालोतरा → तिलवाड़ा सम्पदा, मल्लीनाथ पशुमेला (तिलवाड़ा,
आलम जी का धोरा (गुढामलानी)
↳ घोड़ो के तीर्थ हेतु प्रसिद्ध स्थान।

जालौर → बहाव क्षेत्र रेला/नेड़ा